भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 869
गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025/13 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तनों का उन्नयन और आधुनिकीकरण

869. श्री अरुण कुमार सागरः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार का विचार विमानपत्तनों का उन्नयन और आधुनिकीकरण करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या उक्त उद्देश्य के लिए एक विमानपत्तन विकास केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): हवाईअड्डों का उन्नयन और आधुनिकीकरण एक निरंतर प्रक्रिया है और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर यात्री मांग पूर्वानुमान, विमान परिचालनों की संरक्षा के लिए परिचालन आवश्यकताओं और एयरलाइनों की मांग के आधार पर किया जाता है। विकास कार्य, भूमि की उपलब्धता, वित्तीय व्यवहार्यता और इच्छित विमान प्रचालन से संबंधित परिचालन आवश्यकताओं के अधीन चरणबद्ध तरीके से किए जाते हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने विभिन्न हवाईअड्डों पर विकास और विस्तार कार्य किए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ साथ चेन्नई, जम्मू, उदयपुर, बेलगावी, आगरा, बागडोगरा, दरभंगा, वाराणसी, बिहटा और केशोद हवाईअड्डे शामिल हैं।

हवाईअड्डे की विस्तार और आधुनिकीकरण परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित हितधारकों के समन्वय से नागर विमानन मंत्रालय में विभिन्न स्तरों पर नियमित निगरानी की जाती है। तथापि नागर विमानन मंत्रालय में विमानपत्तन विकास केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****